चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.3.24	2	6.8

अधिक पकने पर झड़ सकता है गेहूं का दाना, समय से करें कटाई

गेहूं की बालियां सुनहरी या लाल हों तो फसल को पकी हुई समझें

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को समय से गेहूं काटने की सलाह दी है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि फसल कटाई के लिए फसल का अच्छी तरह से पक जाना जरूरी है। इससे पहले या बाद में फसल की कटाई करना नुकसानदायक हो सकता है।

गेहूं विशेषज्ञ डॉ. ओपी बिश्नोई ने बताया कि अभी रात का तापमान कम चल रहा है। गेहूं पकने के लिए यह अनुकूल इससे गेहूं ठीक से पकेगा और दाने भी पुष्ट होंगे। वैज्ञानिकों ने बताया कि गेहूं की बालों का रंग जब सुनहरा या लालपन लिए हो तो फसल को पकी समझें। ज्यादा पकने से दाने झड़ने का डर रहता है। खेत में खड़े खरपतवार, सामान्यतः कनकी (मंडूसी), जंगली जई की कटाई पकने से 10-15 दिन पहले सावधानी से करके मुख्य फसल से अलग कर लें। जिन खेतों में पत्तों पर कांगियारी का प्रकोप रहा हो उन खेतों के बीज को अगले वर्ष बिजाई के लिए प्रयोग में बिल्कुल भी न लाएं तथा रोगग्रस्त पौधों को जलाकर नष्ट कर दें।

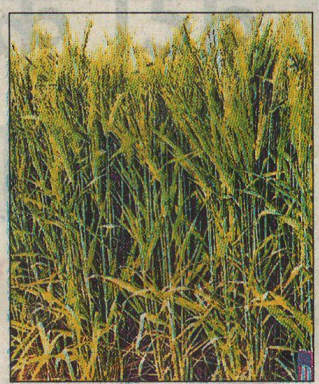

समतल जमीन पर स्थापित करें थ्रेशर

थ्रेशर मशीन को समतल जमीन पर ही स्थापित करें, ताकि चलते समय कम से कम कम्पन हो। मशीन को चलाने से पहले हाथ द्वारा एक चक्कर लगा कर देख लें कि कहीं रुकावट तो नहीं है। थ्रेशर मशीन के पहियों को जमीन में गाड़ कर खूंटियां लगा दें और आवश्यकता हो तो फ्रेम पर भार आदि रखें। भूसे की निकासी हवा चलने की दिशा की ओर हो। थ्रेशर को सही चक्करों पर ही चलाएं। थ्रेशर सिलेंडर उसी दिशा में घूमना चाहिए जैसा कि निशान द्वारा दर्शाया गया हो वरना पट्टे क्रॉस करके इसकी दिशा ठीक करनी चाहिए ताकि थ्रेशर सही चक्करों पर ही चले।

■ **बरतें ये सावधानी...** घटिया किस्म का थ्रेशर कभी भी प्रयोग न करें। थके होने पर थ्रेशर पर काम न करें। नशे की हालत में भी थ्रेशर न चलाएं। खलिहान में हुक्का व बीड़ी-सिगरेट कदापि न पिएं। काम करते समय ढीले-ढाले कपड़े न पहनें। मंद रोशनी में काम न करें। रात को काम करते समय रोशनी का प्रबन्ध रखें। गीली फसल की गहाई न करें। ट्रैक्टर के धुआं निकलने वाली पाइप के ऊपर चिंगारी अवरोधक अवश्य लगाएं। बिजली के खंभों व तारों के नीचे कभी भी फसल का ढेर न रखें। कुछ पानी और रेत थ्रेशर के पास रखें, ताकि आग लगने पर काबू पाया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.2.25	4	7-8

किसानों को न्यूट्री गार्डन स्थापित करने का दिया प्रशिक्षण

किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

हिसार, 9 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ोद में 'फल-फूल एवं सब्जी उत्पादन' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था। किसान परिवारों के घर-आंगन में, आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूलों में न्यूट्री गार्डन स्थापित करने से जहां एक तरफ फल व सब्जियों की जरूरतें पूरी की जा सकती है, वहीं दूसरी ओर उच्च गुणवत्ता के फल व सब्जियां स्वास्थ्य लाभ के लिए भी जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि एक अच्छी व पोषण से भरपूर डाइट लेना हर व्यक्ति का अधिकार है। इस मुहिम से आमजन को जोड़ने के लिए लगातार प्रयास चल रहे हैं, ताकि कुपोषण की समस्या को दूर किया जा सकें।

बागवानी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. प्रिंस ने किसानों को अमरूद, किन्नू, नींबू व आडू के फलदार पौधे लगाने व उनके पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किचन गार्डन में गर्मी के मौसम में आसानी से उगाए जाने वाली सब्जियां जैसे घीया, तोरी, करेला, भिंडी, ग्वार व लोबिया आदि के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.3.24	2	3-5

हकृवि ने पायल व चिड़ोद के किसानों को न्यूट्री गार्डन स्थापित करने के बारे में दिया प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

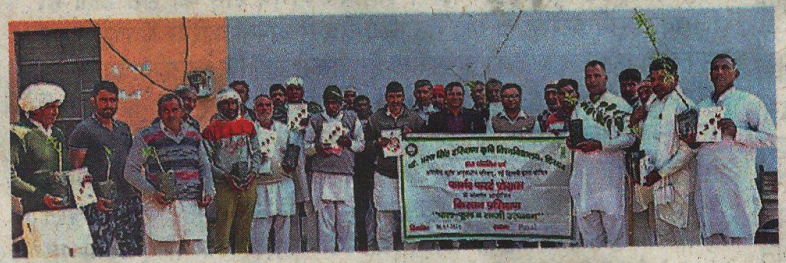

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फस्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ौद में 'फल-फूल एवं सब्जी उत्पादन' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था। किसान परिवारों के घर-आंगन में, आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूलों में न्यूट्री गार्डन स्थापित करने से जहां एक तरफ फल व सब्जियों की जरूरतें पूरी की जा सकती है, वहीं दूसरी ओर उच्च गुणवत्ता के फल व सब्जियां स्वास्थ्य लाभ के लिए भी जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि एक अच्छी व पोषण से भरपूर डाइट लेना हर व्यक्ति का अधिकार है। इस मुहिम से आमजन को जोडऩे के लिए लगातार प्रयास चल रहे हैं ताकि कुपोषण की समस्या को दूर किया जा सकें। बागवानी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. प्रिंस ने किसानों को अमरूद, किन्नू, नींबू व आडू के फलदार पौधे लगाने व उनके पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए कलमी पौधों की देखभाल अच्छी तरह से करें जैसे कि उनको सर्दी-गर्मी से बचाने के लिए पराली से ढकना चाहिए व हल्की सिंचाई करते रहें। उन्होंने किचन गार्डन में गर्मी के मौसम में आसानी से उगाए जाने वाली सब्जियां जैसे घीया, तोरी, करेला, भिंडी, ग्वार व लोबिया आदि के बारे में बताया। चारा अनुभाग के सस्य वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने किसानों को अमरूद व अन्य फलदार पौधों के लाइनों के बीच में बची हुई जगह में चारा फसल, सब्जियां उगाने आदि के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	10.2.24	12	2-4

किसानों को न्यूट्री गार्डन का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। हकृवि द्वारा गांव चिडोद में आयोजित प्रशिक्षण में शामिल किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फस्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ोद में ह्यफल-फूल एवं सब्जी उत्पादनह्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें किसानों ने बढ़-चढकर भाग लिया। फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था। किसान परिवारों के घर-आंगन में, आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूलों में न्यूट्री गार्डन स्थापित करने से जहां एक तरफ फल व सब्जियों की जरूरतें पूरी की जा सकती है, वहीं दूसरी ओर उच्च गुणवत्ता के फल व सब्जियां स्वास्थ्य लाभ के लिए भी जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि एक अच्छी व पोषण से भरपूर डाइट लेना हर व्यक्ति का अधिकार है। इस मुहिम से आमजन को जोडने के लिए लगातार प्रयास चल रहे हैं ताकि कुपोषण की समस्या को दूर किया जा सकें। बागवानी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. प्रिंस ने किसानों को अमरूद, किन्नू, नींबू व आडू के फलदार पौधे लगाने व उनके पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए कलमी पौधों की देखभाल अच्छी तरह से करें जैसे कि उनको सर्दी-गर्मी से बचाने के लिए पराली से ढकना चाहिए व हल्की सिंचाई करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.3.24	2	6-8

वैज्ञानिकों ने दिया गांव पायल व चिड़ोद के किसानों को न्यूट्री गार्डन के बारे में प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फस्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ोद में 'फल-फूल एवं सब्जी उत्पादन' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था। किसान परिवारों के घर-आंगन में आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूलों में न्यूट्री गार्डन स्थापित करने से फल व सब्जियों की जरूरतें पूरी की जा सकती है।

बागवानी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. प्रिंस ने किसानों को अमरूद, किन्नू, नींबू व आड़ू के फलदार पौधे लगाने व उनके पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी दी। चारा अनुभाग के सस्य वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने किसानों को अमरूद व अन्य फलदार पौधों के लाइनों के बीच में बची हुई जगह में चारा फसल उगाने व अन्य छाया सहनशील सब्जियां जैसे हल्दी, प्याज, लहसुन आदि उगाने की संभावनाओं के बारे में बताया।

प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिक व किसान। संवाद

इस अवसर पर किसानों को फलदार पौधे, जिनमें अमरूद, नींबू, किन्नू और आड़ू के पौधों को निशुल्क वितरित किए गए। साथ ही गर्मी के मौसम में उगाई जाने वाली सब्जियों के बीजों की किट भी बांटी गई। इसके अलावा फल-सब्जी उगाने व प्रसंस्करण करने की तकनीकी पुस्तिकाएं किसानों को दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.2.24	4	7-8

हकृवि ने न्यूट्री गार्डन स्थापित करने के बारे में दिया प्रशिक्षण

हकृवि द्वारा गांव चिडोद में आयोजित प्रशिक्षण में शामिल किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक। पीआरओ

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फस्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ोद में 'फल-फूल एवं सब्जी उत्पादन' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डा. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	10.3.24	9	3

किसानों को दिया न्यूट्री गार्डन का प्रशिक्षण

हिसार, 9 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फस्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ोद में 'फल-फूल एवं सब्जी उत्पादन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था। किसान परिवारों के घर-आंगन में, आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूलों में न्यूट्री गार्डन स्थापित करने से फल व सब्जियों की जरूरतें पूरी की जा सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	10.3.24	8	1

हकृवि ने किसानों को न्यूट्री गार्डन स्थापित करने के बारे दिया प्रशिक्षण

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फस्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ोद में 'फल-फूल एवं सब्जी उत्पादन' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था। किसान परिवारों के घर-आंगन में, आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूलों में न्यूट्री गार्डन स्थापित करने से जहां एक तरफ फल व सब्जियों की जरूरतें पूरी की जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	09.03.2024	--	--

हकृवि ने गांव पायल व चिड़ोद के किसानों को न्यूट्री गार्डन स्थापित करने के बारे में दिया प्रशिक्षण

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा फार्मर फस्ट प्रोग्राम के तहत गांव पायल व चिड़ोद में 'फल-फूल एवं सब्जी उत्पादन' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को पोषण एवं गुणवत्ता युक्त खानपान बढ़ाने के लिए न्यूट्री गार्डन विकसित कर स्वास्थ्य लाभ लेने के बारे में जागरूक करना था। किसान परिवारों के घर-आंगन में, आंगनवाड़ी केंद्र व स्कूलों में न्यूट्री गार्डन स्थापित करने से जहां एक तरफ फल व सब्जियों की जरूरतें पूरी की जा सकती है, वहीं दूसरी ओर उच्च गुणवत्ता के फल व सब्जियां स्वास्थ्य लाभ के लिए भी जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि एक अच्छी व पोषण से भरपूर डाइट लेना हर व्यक्ति का अधिकार है। इस मुहिम से आमजन को जोड़ने के लिए लगातार प्रयास चल रहे हैं ताकि कुपोषण की समस्या को दूर किया जा सकें।

बागवानी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. प्रिंस ने किसानों को अमरूद, किन्नू, नींबू व आड़ू के फलदार पौधे लगाने व उनके पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए कलमी पौधों की देखभाल अच्छी तरह से करें जैसे कि उनको सर्दी-गर्मी से बचाने के लिए पराली से ढकना चाहिए व हल्की सिंचाई करते रहें। यह भी ध्यान रखें कि कलमी पौधों में कलम की गई टहनी से नीचे कोई भी बढ़वार आती है तो उसे साथ-साथ काटते रहे। साथ ही उन्होंने किचन गार्डन में गर्मी के मौसम में आसानी से उगाए जाने वाली सब्जियां जैसे घीया, तोरी, करेला, भिंडी, ग्वार व लोबिया आदि के बारे में बताया।

चारा अनुभाग के सस्य वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने किसानों को अमरूद व अन्य फलदार पौधों के लाइनों के बीच में बची हुई जगह में चारा फसल उगाने व अन्य छाया सहनशील सब्जियां जैसे हल्दी, प्याज, लहसुन आदि उगाने की संभावनाओं के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने चारे की फसल बरसीम के बीज उत्पादन लेने के लिए इसकी आखिरी कटाई मार्च माह के दूसरे सप्ताह तक करने व बाद में बीज के लिए फसल को छोड़ने, कटाई के बाद व बीज बनते समय फसल में सिंचाई करने के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर किसानों को फलदार पौधे, जिनमें अमरूद, नींबू, किन्नू व आड़ू के पौधों को निशुल्क वितरित किए गए। साथ ही गर्मी के मौसम में उगाई जाने वाली सब्जियों के बीजों की किट भी बांटी गई। इसके अलावा फल-सब्जी उगाने व प्रसंस्करण करने की तकनीकी पुस्तिकाएं किसानों को दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9.3.24	2	7-8

सभी बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने प्रतिभा को साबित किया : संतोष

भास्कर न्यूज | हिसार

गांव धान्सू में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसमें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रही। उन्होंने कहा कि सभी बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने प्रतिभा का प्रमाण दिया है। महिलाओं के उद्यमी और प्रगतिशील स्वभाव के कारण वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी मेहनत और प्रयास कर रही है। महिलाओं ने अपनी क्षमताओं का सबूत दिया। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को मुख्यातिथि ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9.3.24	2	6-8

सभी बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने अपनी प्रतिभा को साबित किया है : संतोष कुमारी

हिसार, 8 मार्च (ब्यूरो): सभी बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रमाण दिया है। महिलाओं के उद्यमी और प्रगतिशील स्वभाव के कारण वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी मेहनत और प्रयास कर रही है। महिलाओं ने अपनी क्षमताओं का सबूत दिया है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने कहे। वे गांव धांसू में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बीना यादव ने बताया कि इस मासिक कार्यक्रम में प्रत्येक छात्रा ने अनेक जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से आह्वान किया कि अब समय बदल गया है कि उन्हें न केवल किसी भी कार्यक्रम में लाभार्थी के रूप में भाग लेना चाहिए, बल्कि योजना और कार्यान्वयन में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुई।

कार्यक्रम में पौष्टिक व्यंजन, बाजरा के उत्पाद, वस्त्र की कढ़ाई अध्यापन सामग्री सहित गांव की पारंपरिक वस्तुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट योगदान देने वाली महिलाओं. को मुख्यातिथि ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत सिंह, स्कूल प्राचार्य मोहनलाल बैनीवाल, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता सहित अन्य शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9.3.24	4	3-5

प्रगतिशील स्वभाव से महिलाएं पा रहीं अपना लक्ष्य

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। महिलाओं के उद्यमी और प्रगतिशील स्वभाव के कारण वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी मेहनत और प्रयास कर रही हैं। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरुकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। ये बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने गांव धांसू में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कही।

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने बताया कि इस मासिक कार्यक्रम में प्रत्येक छात्रा ने कम से कम तीन परिवारों में व्याख्यान, प्रदर्शनी, रैली, समूह चर्चा आदि जैसे विस्तार तरीकों का उपयोग करके भोजन पोषण, बच्चों की देखभाल, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत सिंह, स्कूल प्राचार्य मोहनलाल बैनीवाल, भारी संख्या में महिलाएं, जिला परिषद, पशु चिकित्सालय, ब्लॉक समिति एवं ग्राम पंचायत के सदस्य, युवा संगठन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के ग्राम स्तरीय अधिकारी, महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुए।

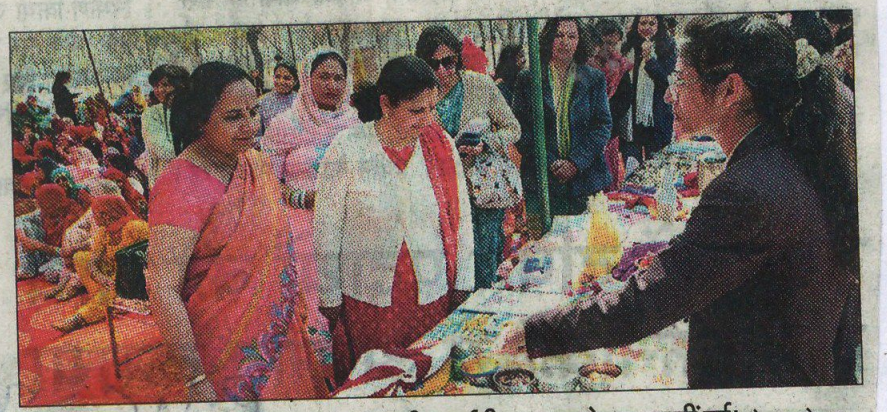

कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं हुई। स्रोत आयोजक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	9.3.24	12	3-6

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करती मुख्य अतिथि संतोष कुमारी। फोटो : हरिभूमि

महिलाओं ने अपनी क्षमताओं का सबूत दिया : संतोष

- हकृवि द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव का समापन समारोह आयोजित

हिसार। सभी बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रमाण दिया है। महिलाओं के उद्यमी और प्रगतिशील स्वभाव के कारण वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी मेहनत और प्रयास कर रही है। महिलाओं ने अपनी क्षमताओं का सबूत दिया है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं और पहलों के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने कही। वे शुक्रवार को गांव धांसू में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ बीना यादव ने बताया कि इस मासिक कार्यक्रम में प्रत्येक छात्रा ने कम से कम तीन परिवारों में व्याख्यान, प्रदर्शनी, रैली, समूह चर्चा आदि जैसे विस्तार तरीकों का उपयोग करके भोजन पोषण, संसाधन प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, कपड़े निर्माण और अलंकरण बच्चों की देखभाल, गर्भवती और स्तनपान कराने वाल महिलाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9.3.24	7	1-4

सभी बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने अपनी प्रतिभा को साबित किया है : संतोष कुमारी

हकृवि द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव का समापन समारोह आयोजित

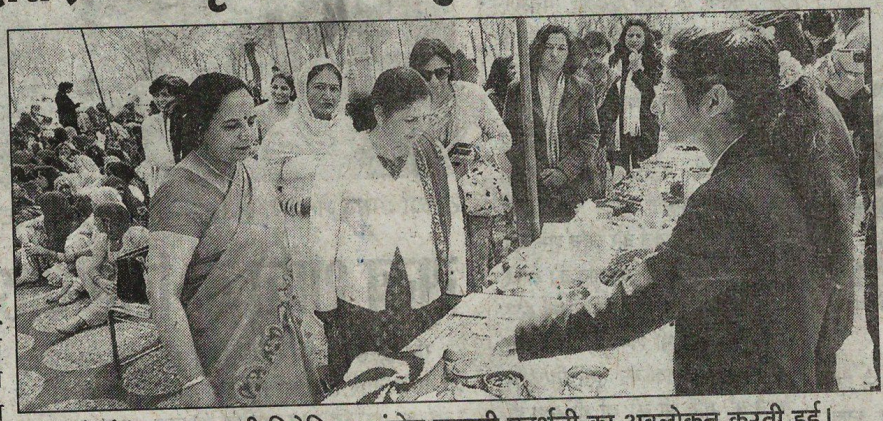

हकृवि के कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुई।

हिसार, 8 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): सभी बाधाओं के बावजूद महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रमाण दिया है। महिलाओं के उद्यमी और प्रगतिशील स्वभाव के कारण वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी मेहनत और प्रयास कर रही है। महिलाओं ने अपनी क्षमताओं का सबूत दिया है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं और पहलों के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने कहे। वे गांव धांसू में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने बताया कि इस मासिक कार्यक्रम में प्रत्येक छात्रा ने कम से कम तीन परिवारों में व्याख्यान, प्रदर्शनी, रैली, समूह चर्चा आदि जैसे विस्तार तरीकों का उपयोग करके भोजन पोषण, संसाधन प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, कपड़े निर्माण और अलंकरण, बच्चों की देखभाल, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से आह्वान किया कि अब समय बदल गया है कि उन्हें न केवल किसी भी कार्यक्रम में लाभार्थी के रूप में भाग लेना चाहिए, बल्कि योजना और कार्यान्वयन में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में पौष्टिक व्यंजन, बाजरा के उत्पाद, वस्त्र की कढ़ाई अध्यापन सामग्री सहित गांव की पारंपरिक वस्तुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका मुख्यातिथि ने अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को मुख्यातिथि ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत सिंह, स्कूल प्राचार्य मोहनलाल बैनीवाल, भारी संख्या में महिलाएं, जिला परिषद, पशु चिकित्सालय, ब्लॉक समिति एवं ग्राम पंचायत के सदस्य, युवा संगठन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के ग्राम स्तरीय अधिकारी, महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित अन्य शामिल हुए।